वी.यू. – दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का भव्य शुभारंभ

नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय में दो दिवसीय वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर तथा वेटनरी कॉलेज जबलपुर की प्लेटिनम जुबली कार्यक्रम की श्रंखला में वेटरनरी महाविद्यालय जबलपुर के पशु शरीर क्रिया विज्ञान एवं पशु जैव विभाग तथा सोसाइटी ऑफ वेटरनरी बायो केमिस्ट एंड बायोटेक्नोलॉजिस्ट आफ इंडिया के संयुक्त तत्वाधान में एस.वी.बी.बी.आई. का छठवां वार्षिक सम्मेलन का आयोजन दिनांक 5–6 जनवरी 2023 को वेटरनरी कॉलेज के प्रेक्षा ग्रह में आरंभ हुआ जिसका विषय पशु स्वास्थ और उत्पादकता में समग्र विकास की दिशा में पशु जैव रसायन और जैव प्रौद्योगिकी के लिए अभिनव

दृष्टिकोण और रणनीति। इस दो दिवसीय संगोष्ठी का शुभारंभ कुलपति डॉक्टर सीता प्रसाद तिवारी जी के अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रुप में डॉ अशोक खंडेलवाल कुलपति आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर, विशिष्ट अतिथि के रुप में कैंट विधानसभा के सदस्य श्री अशोक रोहाणी एवं विश्वविद्यालय प्रबंधन मंडल के सदस्य श्री सुधीर यादव रहे। शुभारंभ मंचासीन मुख्य अतिथि डॉ खंडेलवाल विशिष्ट अतिथि श्री रोहाणी, डॉ यादव कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. सीता प्रसाद तिवारी, एस.बी.बी.बी.आई. के कार्यकारी अध्यक्ष डॉक्टर एस.वी. बोंडे तथा

अधिष्ठाता वेटनरी कॉलेज आर.के. शर्मा द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन से किया गया। तदोपरांत विश्वविद्यालय गीत का वाचन हुआ जिसके उपरांत मंचासीन मुख्य अतिथि तथा अन्य अतिथियों का स्वागत कुलपति डॉक्टर सीता प्रसाद तिवारी जी द्वारा पुष्प, शॉल श्रीफल व स्मृति चिन्ह देकर किया गया। मुख्य अतिथि अशोक खंडेलवाल जी ने उद्बोधन भाषण में कहां की पशु चिकित्सा विज्ञान हमारे किसानों की आय से जुड़ा है और जैव प्रौद्योगिकी, विज्ञान में एक वरदान साबित हुई है। डॉक्टर सीता प्रसाद तिवारी जी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि इस तरह की वैज्ञानिक संगोष्ठी निसंदेह हमारे पशुपालकों के लिए बहुत उपयोगी होगी क्योंकि पशु जैव रसायन एवं पशु जैव प्रौद्योगिकी दोनों ही संयुक्त रूप से पशु उत्पादन बढ़ाने में आज अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।अधिष्ठाता डॉ. आर.के शर्मा ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। एस.बी. बी. बी.आई. के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. एस.वी. बौंडे ने अपनी सोसाइटी गठन के उद्देश्य व पशुपालन क्षेत्र में किए गए कार्यों की जानकारी दी। इस अवसर पर मंचासीन अतिथियों द्वारा संगोष्ठी कंपैनडियम, विश्वविद्यालय का 2023 वार्षिक कैलेंडर तथा पशुधन पंचांग 2023 का विमोचन किया गया।

इस दो दिवसीय वैज्ञानिक संगोष्ठी में भारत वर्ष के विभिन्न राज्यों से डेढ़ सौ से अधिक वैज्ञानिक हिस्सा ले रहे हैं। इन दो दिवसीय संगोष्ठी में लगभग 15 लीड पेपर पढ़े जायेगे व छः तकनीकी सत्र रहेंगे।

सम्मेलन में छः विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार दिए गए जिसमें लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के यशस्वी कुलपति डॉक्टर सीता प्रसाद तिवारी को नवाजा गया जिन्होंने पशु पोषण के क्षेत्र में देश तथा विदेश में महत्वपूर्ण योगदान दिया है ।

आउटस्टैंडिंग कंट्रीब्यूशन अवार्ड डॉ. मेघा कटारे पांडे, सह प्राध्यापक ऐम्स (AIIMS) भोपाल को दिया गया जिन्होंने ट्रांसलेशनल मेडिसन पर सराहनीय एवं उत्कृष्ट कार्य किए तथा निरंतर अग्रसर हैं। बेस्ट टीचर का पुरस्कार डॉ. भारतीय राजा, डॉ संजू मंडल को दिया गया। वर्ष के वैज्ञानिक पुरस्कार से डॉ. पार्थसारथी बहरा तथा डॉ. प्रभात रंजन साहू को दिया गया। इसके अलावा विशेष पुरस्कारों की श्रंखला में डॉ. एसी दत्ता, डॉ. नीरा जैन, डॉ ईश्वर प्रसाद, डॉ. एम.ए. कादरी, तथा डॉ. एच.एस. सिंह को दिया गया जिन्होंने इस क्षेत्र में उत्तम कार्य कर एक मुकाम हासिल किया है।

प्रथम दिवस के द्वितीय चरण में तकनीकी सत्र रखे गए हैं तथा तृतीय सत्र में शाम को रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा जिसमें विभिन्न राज्यों के नृत्य प्रस्तुत किए जाएंगे। कार्यक्रम में पशु पालन विभाग के डॉ. वी.के. बाजपेई, वि.वि. कुलसचिव डॉ. श्रीकांत जोशी, डॉ. मधु स्वामी, डॉ. एस.एस. तोमर, डॉ लखानी डॉ. जी. दास डॉ. शोभा जावरे, सेवानिवृत्त प्राध्यापक

वेटरनरी कॉलेज के सभी विभागों के अध्यक्ष, प्राध्यापक गण छात्र–छात्राएं एवं कर्मचारियों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम को सफल बनाने में अधिष्ठाता डॉ. आर.के. शर्मा, प्रभारी प्रमुख पशु शरीर क्रिया विज्ञान डॉ. आदित्य मिश्रा, डॉ. ए.पी. सिंह, आयोजन सचिव डॉ. अनिल गटानी, डॉ. आनंद जैन, डॉ. दीपिका डॉ. संजू, डॉ. पूर्णिमा तथा विभिन्न समितियों के अध्यक्ष एवं सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। मंच संचालन डॉ. अमिता तिवारी द्वारा किया गया तथा आभार डॉ. आदित्य मिश्रा द्वारा प्रस्तुत किया गया।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर